DR. KRUPASINDHU BHOI (Sambalpur) : The movement of minerals and argicultural goods from western Orissa to eastern Orissa has become very difficult in the absence of direct rail link. The State Government and the Members of Parliament from Orissa have highlighted the prime need of Talcher-Sambalpur rail link time and again which would provide direct connection between Sambalpur and Paradip. Construction of this line would shorten the distance between northern and central India and the eastern coast by nearly 470 kilometres and would effect considerable economy in the cost of transportation. It would reduce the congestion of traffic in the Jharsuguda-Kharagpur section of the South-Eastern Railway.

If this line is constructed, the distance between the aluminimum smelter and alumina plant under construction at Damanjuri and Anugul would be reduced by 75 dms. The rail link would therefore, effect the economy of the project to a considerable extent.

The Talcher-Sambalpur railway line would provide a direct communication between coastal Orissa and western Orissa, a tribal area, rich in mineral and agricultural resources. At present, one has to travel through the State of West Bengal and Bihar in order to reach Sambalpur, the headquarters of western Orissa from the State capital. The proposed railway line is, therefore, vitally important for the growth of the econmy of the State and the esatablishment of much needed emotional integration between the coastal Orissa and western Orissa.

In view of this, I demand that the construction of Talcher-Sambalpur rail link should be taken up during the Sixth Plan period.

(IV) PROBLEM OF DRINKING WATER IN MIRZAPUR AND VARANASI UTTAR PRADESH.

श्री उमाकान्त मिश्र (मिर्जापुर) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मन्त्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं :

वैसे तो आम तौर पर उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में पेयजल की कठिनाई प्रतिवर्ष रहा करती है, किन्तु गत वर्ष वर्षा की कमी के कारण वाराणसी तथा मिर्जापुर जिले के कुछ भाग में पानी का स्तर अत्यन्त नीचा होने के कारण पेयजल का गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है। वाराणसी के सेवापुरी, भदोही, नवगढ़ आदि विकास खण्डों में तथा मिर्जापुर के अकौड़ी, हलिया, लालगंज तथा दक्षिणी मिर्जापुर के पहाड़ी क्षेत्रों में कुएं सूख रहे हैं। अनेक गांवों में सूख भी गए हैं। तीन-तीन, चार-चार किलोमीटर से पीने का पानी ढोया जा रहा है। वहां के निवासियों में पेयजल के संकट के कारण घबराहट उत्पन्न हो रही है। यदि समय रहते उपाय न किया गया तो उक्त क्षेत्रों में पेयजल के अभाव का गम्भीर संकट सम्भावित है। सरकार से अनुरोध है कि पहले तो पेयजल के संकट का मुकाबला करने के लिए उक्त क्षेत्रों में तात्कालिक कदम उठाए जायें। इसके पश्चात् मिर्जापुर तथा वाराणसी जिलों की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए स्थाई योजना क्रियान्वित की जाए।

(V) FINANCIAL ASSISTANCE FOR SLUM CLEARANCE IN PATNA.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मन्त्री महोदय का ध्यान आकर्षित करता हूं :